Daily Current Affairs

Date : 01 August, 2025

अनुक्रमणिका

क्र. सं.	टॉपिक का नाम
1.	गवरी महोत्सव
2.	रातड़िया री डेरी – राजस्थान में हड़प्पा कालीन बस्ती
3.	राजस्थान अंतरराष्ट्रीय लोक महोत्सव - 2025
4.	पैरा शटलर कृष्णा नागर
5.	मिस ओशियन इंडिया 2025
6.	न्यूज़ इन शॉर्ट्स 1. प्रदेश का पहला खनिज उद्यान – जोबनेर 2. इंटर स्टेट पोर्टेबिलिटी इन हेल्थ 3. देश का पहला क्लाइमेट टेक ऑक्सीजन जोन 4. राजस्थान क्रिकेट एसोसिएशन (RCA) एकेडमी का नाम परिवर्तित
7.	केंद्रीय अनुदान सहायता योजना
8.	पवित्र बौद्ध पिपरहवा रत्न
9.	सावलकोट जलविद्युत परियोजना
10.	रूस में क्लाईचेवस्कॉय ज्वालामुखी विस्फोट
11.	अनामुडी शोला राष्ट्रीय उद्यान : जनजातियों की एक समस्या
12.	हिमगिरी युद्धपोत

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

13.	नये ब्लड ग्रुप CRIB की खोज
14.	राष्ट्रीय पर्वतारोहण दिवस
15.	अंडर-17 विश्व कुश्ती चैंपियनशिप - 2025
16.	न्यूज़ इन शॉर्ट्स 1. अपना घर पहल 2. लेफ्टिनेंट जनरल पुष्पेंद्र सिंह 3. नौ नए भारतीय वाणिज्य दूतावास आवेदन केंद्र 4. IT 2.0 एप्लिकेशन 5. म्यांमार में चुनाव हेतु आयोग का गठन 6. प्रोफेसर मिशेल डोहर्टी 7. हरित हाइड्रोजन संयंत्र : कांडला बंदरगाह 8. न्याय बंधु कानूनी सहायता कार्यक्रम

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

राजस्थान परिदृश्य

गवरी महोत्सव

➲ **चर्चा में क्यों?**

- **वर्ष 2025 में पहली बार राजस्थान के प्रसिद्ध गवरी महोत्सव को नई दिल्ली स्थित इंडिया इंटरनेशनल सेंटर की आर्ट गैलरी में एक फोटो प्रदर्शनी के माध्यम से दर्शाया गया।**

➲ **मुख्य बिंदु :**

- **गवरी नृत्य और नाटक का 40 दिवसीय त्योहार है, जो राजस्थान के भील समुदाय द्वारा मनाया जाता है।**
- **यह मेवाड़ क्षेत्र का प्रमुख महोत्सव है जिसे भाद्रपद माह में मनाया जाता है।**
- **यह गुजरात के शासक सिद्धराज जय सिंह के समय से अर्थात तीसरी या चौथी शताब्दी से अस्तित्व में है।**
- **इस महोत्सव के माध्यम से देवी अम्बा और दानव भीमवाल के बीच युद्ध तथा बुराई पर अच्छाई की जीत को दर्शाया जाता है।**
- **कलाकार उन गांवों में नाटक करते हैं जहां उनकी विवाहित बहनें और बेटियां रहती हैं।**
- **इस महोत्सव में ऊर्जावान कलाकार पृष्ठभूमि संगीत और रंगीन वेशभूषा के साथ अपनी कला का प्रदर्शन करते हैं।**

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

- महोत्सव में विभिन्न दृश्यों को दर्शाया जाता है, जिसे 'खेल' कहा जाता है।
- इस महोत्सव के सभी किरदार केवल पुरुषों द्वारा निभाए जाते हैं।

फैक्ट्स फॉर प्रीलिम्स:

भील जनजाति के नृत्य:

हाथीमना नृत्य –

- यह विवाह के अवसर पर पुरुषों द्वारा घुटनों के बल बैठकर किया जाने वाला नृत्य है।

घूमरा नृत्य/झूमर नृत्य –

- सीमलवाड़ा, सागवाड़ा, आसपुर (डूँगरपुर), पीपलखूँट (प्रतापगढ़), कोटड़ा (उदयपुर), कुशलगढ़, घाटोल (बाँसवाड़ा) क्षेत्र की भील महिलाओं द्वारा अर्द्धवृत्त बनाकर किया जाने वाला नृत्य है।
- मुख्य वाद्य यंत्र – थाली, ढोल आदि।
- दो दल होते हैं। एक दल का कार्य गायन व दूसरे का कार्य नृत्य करना है।

गवरी/राई नृत्य –

- यह राजस्थान का सबसे प्राचीन लोक नृत्य है।
- यह उदयपुर संभाग के भीलों का धार्मिक नृत्य है।
- भाद्रपद से आश्विन शुक्ल एकादशी तक किया जाता है। (सवा महीने तक चलता है।)
- शिव व भस्मासुर की कथा से संबंधित है।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

नेजा नृत्य –

- भील व मीणा दोनों जनजातियों से संबंधित।
- महिला – पुरुष दोनों द्वारा किया जाता है।
- लकड़ी के एक डण्डे पर नारियल बाँध दिया जाता है। महिलाएँ इसकी रक्षा करती है व पुरुषों द्वारा इसे उतारने का प्रयास किया जाता है। (खेल नृत्य)

द्विचक्री नृत्य –

- महिला-पुरुष द्वारा दो वृत्त बनाकर विवाह के अवसर पर किया जाने वाला नृत्य है।

युद्ध नृत्य –

- भाले, बरछी, तलवार व तीर-कमान के साथ पहाड़ी क्षेत्र में भीलों द्वारा किया जाने वाला नृत्य है।
- मादल वाद्य यंत्र बजाया जाता है।

गैर नृत्य –

- उदयपुर, बाड़मेर।
- लकड़ी की छड़ियाँ लेकर गोल घेरे में मेवाड़ व कणाना (बाड़मेर) क्षेत्र में पुरुषों द्वारा किया जाने वाला नृत्य है।
- अन्य नाम – गैर रमना, गैर नाचना, गैर खेलना, गैर घालना आदि।
- होली के दूसरे दिन से प्रारम्भ होकर पन्द्रह दिन तक किया जाता है।
- नृत्य करने वाले 'गैरिये' कहलाते हैं।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

- नृत्य में पहने जाने वाले कपड़े ओंगी कहलाते हैं।
- ढोल, थाली, बांकिया प्रमुख वाद्य यंत्र हैं।
- वागड़ क्षेत्र की गैर में महिलाएँ भी भाग लेती हैं।
- गैर नृत्य के चार प्रकार हैं-

  (i) डांड़िया

  (ii) आंगिया/आंगी-बांगी (लाखेटा गाँव)

  (iii) चंग

  (iv) तलवार
- लाल- आंगी बांगी गैर- लाखेटा गाँव बालोतरा।
- भाटा गैर – आहोर, साचौर।
- तलवारों की गैर – मेनार, उदयपुर।
- घूमर गैर नृत्य – भीलवाड़ा (निहाल अजमेरा)
- लाठी नृत्य – पुरुषों द्वारा।
- रमणी नृत्य – विवाह मंडप में स्त्रियों के द्वारा।
- बेरीहाल नृत्य – खैरवाड़ा क्षेत्र में रंगपंचमी के दिन।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

रातड़िया री डेरी – राजस्थान में हड़प्पा कालीन बस्ती

चर्चा में क्यों?

- **हाल ही में, राजस्थान विश्वविद्यालय की एक शोध टीम को जैसलमेर की रामगढ़ तहसील के 'रातड़िया री डेरी' नामक स्थान पर हड़प्पा सभ्यता से संबंधित लगभग 4500 वर्ष प्राचीन बस्ती के अवशेष मिले।**

मुख्य बिंदु :

- **शोध टीम द्वारा की गई खुदाई में इस स्थल से लेपयुक्त मृदभांड, कटोरे, घड़े, मिट्टी और शंख से बनी चूड़ियां, त्रिकोणकार, गोलाकार और इडलीनुमा टैराकोटा केक मिले।**
- **इस स्थल से एक भट्ठी भी मिली है जिसके बीच में एक कॉलम बना हुआ है।**
- **अन्य प्राप्त सामग्रियों में परफोरेटेड जार, चर्ट से बने ब्लेड (8-10 सेमी) और पत्थर पीसने और घिसने के औजार शामिल हैं।**
- **यह स्थल लोथल, कच्छ व मोहनजोदड़ो जैसे प्राचीन हड़प्पा स्थलों से समानता रखता है तथा हड़प्पा सभ्यता के दक्षिणी विस्तार का संकेत देता है।**

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

- समय-अवधि: 2600 से 1900 ईसा पूर्व (इस अवधि को सिंधु घाटी सभ्यता की परिपक्व अवधि माना जाता है)

फैक्ट्स फॉर प्रीलिम्स:

हड़प्पा सभ्यता:

- हड़प्पा सभ्यता, जिसे सिंधु घाटी सभ्यता या सिंधु-सरस्वती सभ्यता के नाम से भी जाना जाता है, भारतीय उपमहाद्वीप की एक प्राचीन सभ्यता थी जो लगभग 3300 से 1700 ईसा पूर्व तक अस्तित्व में थी। यह सभ्यता कांस्य युग से संबंधित है।
- यह सभ्यता अपने सुव्यवस्थित शहरों, उन्नत जल निकासी प्रणाली और विशिष्ट कला और संस्कृति के लिए जानी जाती है।
- **भौगोलिक विस्तार :** पश्चिम में सुत्कागेनडोर से लेकर पूर्व में आलमगीरपुर तक और उत्तर में मांडा से लेकर दक्षिण में दैमाबाद।
- **प्रमुख स्थल :** हड़प्पा, मोहनजोदड़ो, कालीबंगा, लोथल, धोलावीरा, राखीगढ़ी।

विशेषताएं :

- **नगरीय योजना :** सुव्यवस्थित सड़कें, पक्की ईंटों से बने घर और उन्नत जल निकासी प्रणाली।
- **कृषि :** गेहूं, जौ, कपास, फल और सब्जियां।
- **व्यापार :** मेसोपोटामिया और अन्य क्षेत्रों के साथ।
- **धर्म :** मातृ देवी और पशुपति की पूजा।
- हड़प्पा सभ्यता, सिंधु घाटी सभ्यता का एक हिस्सा है, जो 2600 ईसा पूर्व से 1900 ईसा पूर्व तक परिपक्व अवस्था में थी। इस सभ्यता का नाम इसके पहले खोजे गए शहर, हड़प्पा के नाम पर रखा गया है।
- कुछ विद्वानों का मानना है कि सरस्वती नदी के सूखने के कारण इस सभ्यता का पतन हुआ।
- इस सभ्यता के लोग लेखन कला से भी परिचित थे, लेकिन उनकी लिपि अभी तक पूरी तरह से समझी नहीं जा सकी है।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

राजस्थान अंतरराष्ट्रीय लोक महोत्सव - 2025

चर्चा में क्यों?

- जोधपुर रिफ (RIFF) के नाम से जाना जाने वाला 'राजस्थान अंतरराष्ट्रीय लोक महोत्सव - 2025' का आयोजन 2 से 6 अक्टूबर, 2025 तक किया जाएगा।

मुख्य बिंदु :

- **आयोजन स्थल :** यह महोत्सव जोधपुर के मेहरानगढ़ किले में शरद पूर्णिमा के दौरान प्रति वर्ष आयोजित किया जाता है।
- **संकल्पना और शुरुआत :** जोधपुर रिफ की शुरुआत वर्ष 2007 में जोधपुर पूर्व-राजपरिवार के सदस्य गज सिंह द्वितीय द्वारा की गई थी।
- **उद्देश्य :** राजस्थान के प्रतिभाशाली कलाकारों को एक सांस्कृतिक मंच प्रदान करना।
- **महोत्सव का ऐतिहासिक महत्व :** यह उत्सव प्रति वर्ष मेहरानगढ़ किले में आयोजित होता है, जिसे टाइम पत्रिका द्वारा 'एशिया के सर्वश्रेष्ठ किले' का खिताब दिया गया है।

फैक्ट्स फॉर प्रीलिम्स:

- **लोक कला :** लोक कला का तात्पर्य उन कला रूपों से है जो जनसामान्य के बीच उत्पन्न होती हैं और समाज के पारंपरिक जीवन, सांस्कृतिक धरोहर और रीति-रिवाजों का प्रतिबिंब होती हैं।
- ये कला रूप समाज के सभी वर्गों में सामान्य रूप से प्रचलित होते हैं और इनका उद्देश्य मनोरंजन, धार्मिक अनुष्ठान, सामाजिक अवसरों और सांस्कृतिक अभिव्यक्ति को प्रकट करना होता है।
- लोक कला के प्रमुख रूपों में नृत्य, संगीत, चित्रकला, शिल्प, हस्तशिल्प, रंगीन वस्त्र, लोककथाएँ और कठपुतलियाँ आदि शामिल होते हैं।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

पैरा शटलर कृष्णा नागर

➲ चर्चा में क्यों?

- हाल ही में, पैरा शटलर कृष्णा नागर ने ब्रिटिश-आयरिश पैरा बैडमिंटन इंटरनेशनल टूर्नामेंट में दो कांस्य पदक जीते।

➲ मुख्य बिंदु :

- **प्रतियोगिता का आयोजन :** कार्डिफ़, इंग्लैंड।
- कृष्णा नागर ने एकल वर्ग में और मिक्स्ड डबल्स वर्ग में नित्या श्री सिवन के साथ कांस्य पदक जीता।

कृष्णा नागर की उपलब्धियां:

- कृष्णा नागर पैरा-बैडमिंटन खिलाड़ी है जो जयपुर के निवासी है।
- उन्होंने वर्ष 2020 ग्रीष्मकालीन पैरालिंपिक में स्वर्ण पदक जीता ।
- इंडोनेशिया में वर्ष 2018 एशियाई पैरा खेलों में कृष्णा नागर ने एकल स्पर्धा में काँस्य पदक जीता।
- स्विट्जरलैंड के बेसल में 2019 BWF पैरा-बैडमिंटन विश्व चैंपियनशिप में कृष्णा नागर ने भारत के ही राजा मगोत्रा के साथ पुरुष युगल स्पर्धा में रजत पदक जीता। उन्होंने एकल स्पर्धा में काँस्य भी जीता।
- वर्ष 2020 ग्रीष्मकालीन पैरालिंपिक (टोक्यो, जापान) में, कृष्णा नागर ने पुरुष एकल SH6 में स्वर्ण पदक जीता।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

पारुल सिंह - मिस ओशियन इंडिया 2025

➲ चर्चा में क्यों?

- हाल ही में, जयपुर की पारुल सिंह ने मिस ओशियन इंडिया - 2025 का खिताब जीता।

➲ मुख्य बिंदु :

- यह पहली बार है जब मिस ओशियन इंडिया का खिताब राजस्थान की किसी प्रतिभागी ने जीता।
- इस खिताब की विजेता के रूप में पारुल अगस्त, 2025 में मिस ओशियन वर्ल्ड प्रतियोगिता में भारत का प्रतिनिधित्व करेंगी।
- **आयोजन :** ब्यूटी पेजेंट का ग्रैंड फिनाले बीएम बिड़ला ऑडिटोरियम, जयपुर में किया गया।

UTKARSH उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

न्यूज़ इन शॉर्ट्स

क्र. सं.	न्यूज़
1.	**प्रदेश का पहला खनिज उद्यान – जोबनेर** ♦ हरियाली तीज के अवसर पर हरियालो राजस्थान अभियान के अंतर्गत राजस्थान स्टोन क्रेशर एसोसिएशन द्वारा बामनियावास (जोबनेर) में 11 हेक्टेयर चारागाह भूमि पर पौधरोपण किया गया। ♦ इस भूमि का विकास एक उद्यान के रूप में किया जाएगा तथा 7 वर्ष तक उसकी साज संभाल की जाएगी। ♦ इस तरह का किसी संगठन द्वारा दीक्षित किया जाने वाला राज्य में पहला खनिज उद्यान होगा।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

2. इंटर स्टेट पोर्टेबिलिटी इन हेल्थ

- हाल ही में, जयपुर स्थित राजस्थान के सबसे बड़े अस्पताल सवाई मानसिंह हॉस्पिटल में इलाज के लिए आने वाले बाहरी राज्यों के मरीजों के लिए 'इंटर स्टेट पोर्टेबिलिटी इन हेल्थ' स्कीम की शुरुआत की गई।
- इस सुविधा के तहत दूसरे राज्यों से आने वाले मरीजों को भी राजस्थान में नि:शुल्क इलाज की सुविधा मिल सकेगी।
- इस योजना का लाभ लेने के लिए मरीज का केन्द्र सरकार की आयुष्मान भारत योजना से जुड़ा होना आवश्यक है।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

3. देश का पहला क्लाइमेट टेक ऑक्सीजन जोन

- हाल ही में, आर्टिफिशियल फोटोसिंथेसिस प्रक्रिया से ऑक्सीजन का उत्पादन करने वाले 5 ओशियन ट्री को जयपुर एयरपोर्ट के टर्मिनल 1 और 2 पर इंस्टॉल किया गया।
- इस 5 पेड़ों के इंस्टॉलेशन के साथ ही जयपुर एयरपोर्ट देश का पहला क्लाइमेट टेक ऑक्सीजन जोन बन गया है।
- यूएस के पिट्सबर्ग इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर भी इस प्रकार की मशीनें इन्स्टॉल की जा चुकी है।

4. राजस्थान क्रिकेट एसोसिएशन (RCA) एकेडमी का नाम परिवर्तित

- हाल ही में, राजस्थान राज्य क्रीड़ा परिषद ने राजस्थान क्रिकेट एसोसिएशन (RCA) की एकेडमी का नाम बदलकर 'मेजर ध्यानचंद खेल भवन' किए जाने की घोषणा की।
- राजस्थान राज्य क्रीड़ा परिषद (RSSC) राजस्थान में खेलों के विकास और खिलाड़ियों को प्रशिक्षण प्रदान करने के लिए राज्य स्तर पर सर्वोच्च संस्था है।
- **स्थापना :** वर्ष 1957 में।

UTKARSH CLASSES उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

राष्ट्रीय परिदृश्य

केंद्रीय अनुदान सहायता योजना

चर्चा में क्यों?

- 31 जुलाई, 2025 को प्रधानमंत्री की अध्यक्षता में केंद्रीय मंत्रिमंडल ने राष्ट्रीय सहकारी विकास निगम (NCDC) को 2025-26 से 2028-29 तक चार वर्षों की अवधि के लिए 2000 करोड़ रुपये की केंद्रीय अनुदान सहायता योजना को स्वीकृति प्रदान की।

मुख्य बिंदु :

- इस योजना का निष्पादन राष्ट्रीय सहकारी विकास निगम द्वारा किया जाएगा।
- राष्ट्रीय सहकारी विकास निगम को यह राशि (वित्त वर्ष 2025-26 से 2028-29 तक प्रत्येक वर्ष 500 करोड़ रुपये) अनुदान भारत सरकार की बजटीय सहायता से प्राप्त होगा।
- राष्ट्रीय सहकारी विकास निगम (NCDC) चार वर्षों की अवधि में खुले बाजार से 20,000 करोड़ रुपये जुटा सकेगा।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

- **NCDC इस धनराशि का उपयोग सहकारी समितियों को नई परियोजनाएं स्थापित करने/संयंत्रों के विस्तार हेतु ऋण देने और कार्यशील पूंजी आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए करेगा।**

- **लाभ : इससे देश में डेयरी, पशुधन, मत्स्यपालन, चीनी, वस्त्र, खाद्य प्रसंस्करण, भंडारण और शीतगृह जैसे विभिन्न क्षेत्रों की सहकारी समितियां और श्रमिक और महिलाओं के नेतृत्व वाली सहकारी समितियों के लगभग 2 करोड़ 90 लाख सदस्य लाभान्वित होंगे।**

अन्य महत्त्वपूर्ण बिन्दु :

- **भारत में सहकारी समितियां ऋण और बैंकिंग, उर्वरक, चीनी, डेयरी, विपणन, उपभोक्ता वस्तुएं, हथकरघा, हस्तशिल्प, मत्स्य पालन, आवास इत्यादि में विविध गतिविधियों में संचालित हैं।**

- **देश में 8 लाख 25 हजार से अधिक सहकारी समितियां हैं, जिनमें 29 करोड़ से अधिक सदस्य हैं। देश में 94 प्रतिशत किसान किसी न किसी रूप में सहकारी समितियों से जुड़े हुए हैं।**

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

अंतरराष्ट्रीय परिदृश्य

पवित्र बौद्ध पिपरहवा रत्न

➲ चर्चा में क्यों?

- हाल ही में, भगवान बुद्ध के पिपरहवा अवशेषों को 127 वर्षों के बाद हांगकांग से भारत लाया गया।

➲ मुख्य बिंदु :

- केंद्र सरकार ने हांगकांग को पवित्र पिपरहवा अवशेषों की नीलामी करने से रोकने के लिये एक मज़बूत कूटनीतिक और कानूनी अभियान शुरू किया है। जिसे तहत ये अवशेष पुन: भारत को प्राप्त हुए।

पिपरहवा अवशेष:

- वर्ष 1898 में पिपरहवा स्तूप (उत्तर प्रदेश) में खुदाई के दौरान इन अवशेषों की खोज हुई थी।
- खोजे गए अवशेषों में हड्डियों के टुकड़े, क्रिस्टल ताबूत, सोने के आभूषण और अनुष्ठानिक प्रसाद शामिल हैं।
- भारतीय पुरातत्त्व सर्वेक्षण (ASI) ने वर्ष 1971 से 1977 तक स्तूप का पुन: उत्खनन किया।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

- इस उत्खनन में दो अतिरिक्त शैलखटी संदूक मिले, जिनमें 22 पवित्र अस्थि अवशेष थे।
- ये सभी अवशेष अब नई दिल्ली के राष्ट्रीय संग्रहालय में सुरक्षित रखे गए हैं।
- बाद में पिपरहवा के पूर्वी मठ में 40 से अधिक टेराकोटा मुहरें खोजी गईं।
- इन खोजों ने यह सिद्ध किया कि पिपरहवा ही प्राचीन कपिलवस्तु था।
- एक ताबूत पर ब्राह्मी लिपि में शिलालेख मिला जो अवशेषों को सीधे भगवान बुद्ध से जोड़ता है।
- शिलालेख में उल्लेख है कि ये अवशेष शाक्य कुल द्वारा स्थापित किए गए थे।

अवशेषों का कानूनी संरक्षण:

- भारत ने इन अवशेषों को 'AA' श्रेणी का पुरावशेष घोषित किया है।
- यह श्रेणी उन्हें राष्ट्रीय कानून के तहत सर्वोच्च कानूनी सुरक्षा प्रदान करती है।
- भारतीय कानून के अनुसार, इनकी बिक्री या निर्यात पूर्णतः प्रतिबंधित है।
- इन्हें नीलाम करने या भारत से बाहर ले जाने का कोई भी प्रयास अवैध माना जाता है।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

सावलकोट जलविद्युत परियोजना

➲ चर्चा में क्यों?

- हाल ही में, नेशनल हाइड्रोइलेक्ट्रिक पावर कॉरपोरेशन (NHPC) ने सावलकोट जलविद्युत परियोजना के निर्माण के लिए निविदा प्रक्रिया की शुरुआत की।

➲ मुख्य बिंदु :

- यह कदम सिंधु जल संधि (IWT) के निलंबन के बाद उठाया गया है।
- यह एक रन-ऑफ-रिवर प्रकार की जलविद्युत परियोजना है।
- **अवस्थिति:** जम्मू और कश्मीर के रामबन जिले के सिधू गाँव में है।
- यह चिनाब नदी पर स्थित है।
- चिनाब (चंद्रभागा) नदी, सिंधु की सबसे बड़ी सहायक नदी है।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

- यह हिमाचल प्रदेश के तांडी स्थान पर चंद्रा और भागा नदियों के संगम से बनती है।

सावलकोट जलविद्युत परियोजना:

- परियोजना का निर्माण दो चरणों में किया जाएगा।
- कुल अनुमानित निवेश ₹22,704.8 करोड़ होगा।
- वन सलाहकार समिति (FAC) ने परियोजना के लिए 847 हेक्टेयर वन भूमि के उपयोग की सैद्धांतिक मंजूरी दे दी है।

सिंधु जल संधि:

- सिंधु जल संधि वर्ष 1960 में भारत और पाकिस्तान के बीच हस्ताक्षरित हुई थी।
- संधि के अनुसार भारत को तीन पूर्वी नदियों – ब्यास, रावी और सतलुज पर अप्रतिबंधित अधिकार है।
- वहीं पाकिस्तान को तीन पश्चिमी नदियों – चिनाब, सिंधु और झेलम पर प्राथमिक अधिकार है।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

रूस में क्लाईचेवस्कॉय ज्वालामुखी विस्फोट

➲ चर्चा में क्यों?

- 30 जुलाई, 2025 को रूस के सुदूर पूर्वी क्षेत्र कामचटका प्रायद्वीप में 8.8 तीव्रता का शक्तिशाली भूकंप आया जिसके कुछ घंटों बाद 'क्लाईचेवस्कॉय ज्वालामुखी' में विस्फोट हुआ।

➲ मुख्य बिंदु :

- यह यूरोप और एशिया का सबसे ऊँचा सक्रिय ज्वालामुखी है।
- स्मिथसोनियन ग्लोबल वोल्केनोलॉजी प्रोग्राम के अनुसार, इसकी ऊँचाई 4,700 मीटर है।
- यह ज्वालामुखी वर्ष 2000 से अब तक 18 बार फट चुका है।
- इस बार का विस्फोट बहुत शक्तिशाली था।

कामचटका क्षेत्र:

- कामचटका प्रायद्वीप प्रशांत महासागर के 'रिंग ऑफ फायर' का हिस्सा है।
- यह क्षेत्र टेक्टोनिक प्लेट्स के टकराव का केंद्र है इसलिए यहाँ अक्सर भूकंप और ज्वालामुखीय गतिविधियाँ होती रहती हैं।
- पूरे कामचटका क्षेत्र में 300 से अधिक ज्वालामुखी हैं।
- इनमें से लगभग 29 ज्वालामुखी सक्रिय हैं।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

पर्यावरण एवं पारिस्थितिकी

अनामुडी शोला राष्ट्रीय उद्यान : जनजातियों की एक समस्या

चर्चा में क्यों?

- **हाल ही में, केरल के इडुक्की ज़िले में प्रस्तावित एक सड़क परियोजना को रोक दिया गया है जिसस जनजातीय बस्तियों तक पहुँच प्रभावित हुई है।**
- **यह सड़क अनामुडी शोला राष्ट्रीय उद्यान से होकर गुजरने वाली थी।**

मुख्य बिंदु :

अनामुडी शोला राष्ट्रीय उद्यान:

- **यह उद्यान पश्चिमी घाट के दक्षिण में स्थित है।**
- **वर्ष 2003 में इसे राष्ट्रीय उद्यान घोषित किया गया था।**

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

- यह अनामलाई उप-समूह का हिस्सा है, जो यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल है।
- यह प्रमुख संरक्षित क्षेत्रों से घिरा हुआ है जैसे:
  - एराविकुलम राष्ट्रीय उद्यान।
  - माथिकेत्टन शोला।
  - पंपाडुम शोला।
  - चिनार वन्यजीव अभयारण्य।
  - कुरिंजिमाला अभयारण्य।
- दक्षिण भारत का सबसे ऊँचा पर्वत अनामुडी शिखर (2,695 मीटर) इसी क्षेत्र में स्थित है।
- यह पंबार और चिनार नदियों के जलग्रहण क्षेत्र का निर्माण करता है।
- यह क्षेत्र उच्च स्थानिकता (Endemicity) के साथ समृद्ध जैव विविधता से युक्त है।
- यहाँ के वनों में शामिल हैं:
  - दक्षिणी उपोष्णकटिबंधीय पहाड़ी वन।
  - दक्षिणी पर्वतीय आर्द्र शीतोष्ण वन।
  - नम पर्णपाती वन।
- घने शोला वन इसकी एक विशिष्ट विशेषता हैं, इनमें बौने वृक्ष, काई, शैवाल और बेलदार पौधे प्रचुर मात्रा में मिलते हैं।

प्रमुख वन्यजीव प्रजातियाँ:

- तेंदुआ,
- बाघ,

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

- भारतीय गौर (जंगली भैंसा),
- नीलगिरि ताहर,
- लायन-टेल्ड मकाक,
- नीलगिरि मार्टेन,
- भालू,
- विशाल ग्रिज़ल्ड गिलहरी,
- हनुमान लंगूर इत्यादि।

केरल में अन्य राष्ट्रीय उद्यान:

- एराविकुलम राष्ट्रीय उद्यान।
- मथिकेट्टन शोला राष्ट्रीय उद्यान।
- पंबदुम शोला राष्ट्रीय उद्यान।
- पेरियार राष्ट्रीय उद्यान।
- साइलेंट वैली राष्ट्रीय उद्यान।

UTKARSH CIVIL SERVICES

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी

हिमगिरी युद्धपोत

चर्चा में क्यों?

- **31 जुलाई, 2025 को आत्मनिर्भर भारत अभियान के तहत नौसेना को प्रोजेक्ट 17A के तहत नीलगिरी श्रेणी का तीसरा जहाज और गार्डन रीच शिपबिल्डर्स एंड इंजीनियर्स (GRSI) में निर्मित इस श्रेणी के पहले युद्धपोत हिमगिरि (यार्ड 3022) को कोलकाता में भारतीय नौसेना को सौंप दिया गया।**

मुख्य बिंदु :

- **नौसेना के लिए 17A परियोजना के तहत बनाए जा रहे तीन एडवांस गाइडेड मिसाइल युद्धपोतों में से हिमगिरि पहला युद्धपोत है।**

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

- **हिमगिरि युद्धपोत पूर्ववर्ती INS हिमगिरि (06 मई, 2005 को सेवामुक्त) का नया रूप है।**
- **इसमे 75 प्रतिशत स्वदेशी सामग्री का प्रयोग किया गया हैं।**
- **विकास : कोलकाता स्थित गार्डन रिच शिपबिल्डर्स एंड इंजीनियर्स द्वारा।**

विशेषताएँ :

- **युद्धपोत हिमगिरि 149 मीटर लंबा तथा 6670 टन वजनी सबसे परिष्कृत गाइडेड मिसाइल से युक्त युद्धपोत है, जो 30 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से चलने में सक्षम है।**
- **यह युद्धपोत डीजल इंजन और गैस टरबाइन के संयोजन से संचालित होता है।**
- **यह आधुनिक AESA रडार, लड़ाकू प्रणाली तथा वायु-रोधी, सतह-रोधी और पनडुब्बी-रोधी क्षमता से लैस है।**

UTKARSH CIVIL SERVICES

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

नये ब्लड ग्रुप CRIB की खोज

चर्चा में क्यों?

- कर्नाटक के कोलार जिले की एक 38 वर्षीय महिला में दुनिया के नए रक्त समूह की पहचान की गई, जिसे 'CRIB' नाम दिया गया।

मुख्य बिंदु :

- CRIB नाम में "CR" का अर्थ है Cromer (एक मौजूदा रक्त समूह प्रणाली) और "IB" का अर्थ है इंडिया – बैंगलोर। यह नया एंटीजन क्रोमर ब्लड ग्रुप सिस्टम का हिस्सा है।
- CRIB का पूरा नाम क्रोमोज़ोम रीजन आइडेंटिफ़ाइड ऐज़ ब्लड ग्रुप है। इसका संबंध INRA (इंडियन रेयर एंटीजन) ब्लड ग्रुप सिस्टम से है, जिसे इंटरनेशनल सोसाइटी ऑफ ब्लड ट्रांसफ्यूजन (ISBT) ने वर्ष 2022 में मान्यता दी थी।
- यह महिला दुनिया की पहली व्यक्ति हैं जिनमें यह नया CRIB एंटीजन पाया गया है। इस खोज के बाद, रोटरी बैंगलोर TTK ब्लड सेंटर ने कर्नाटक स्टेट ब्लड ट्रांसफ्यूजन काउंसिल और मुंबई स्थित ICMR के इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ इम्यूनोहेमेटोलॉजी (IIH) के सहयोग से एक "रेयर डोनर रजिस्ट्री" शुरू की है।
- इस महिला का रक्त समूह सामान्यत: O Rh+ था, लेकिन जब सर्जरी से पहले उन्हें रक्त चढ़ाने की ज़रूरत पड़ी, तो उपलब्ध कोई भी O-पॉजिटिव यूनिट उनके शरीर से नहीं मिल रही थी।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

- जांच के बाद पाया गया की महिला का रक्त "पैनरिएक्टिव" है, यानी यह किसी भी सामान्य रक्त सैंपल से मेल नहीं खा रहा था।
- जून, 2025 में मिलान, इटली में आयोजित इंटरनेशनल सोसायटी ऑफ ब्लड ट्रांसफ्यूजन (ISBT) की 35वीं रीजनल कांग्रेस में इस खोज की आधिकारिक घोषणा की गई।

अन्य महत्त्वपूर्ण बिन्दु :

रक्त समूह

- यह लाल रक्त कोशिकाओं (RBC) की सतह पर आनुवंशिक रूप से व्युत्पन्न प्रतिजनी पदार्थों की उपस्थिति या अनुपस्थिति पर आधारित होता हैं।
- इन प्रतिजनी पदार्थ को रक्त प्रकार प्रणाली के आधार पर कार्बोहाइड्रेट, ग्लाइकोलिपिड, प्रोटीन या ग्लाइकोप्रोटीन के रूप में वर्गीकृत किया जाता हैं।
- वर्ष 1900 में ऑस्ट्रियाई वैज्ञानिक कार्ल लैंडस्टीनर ने ABO रक्त समूह प्रणाली की खोज की, इस खोज के लिए उन्हें नोबेल पुरस्कार से सम्मानित किया गया था।
- मानव रक्त के चार मुख्य रक्त समूह हैं : O, A, B और AB, जिसे ABO रक्त प्रकार भी कहा जाता है।

रक्त समूह	एंटीजन	एंटीबॉडी
A	a	B
B	b	A
AB	दोनों एंटीजन की उपस्थिति (a और b)	एंटीबॉडी का अभाव
O	एंटीजन का अभाव	दोनों एंटीबॉडी की उपस्थिति (एंटी-A और एंटी-B)

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

रक्त समूह

रक्त प्रकार	रक्त दे सकता है	रक्त ले सकता है
A^+	A^+, AB^+	A^+, A^-, O^+, O^-
O^+	O^+, A^+, B^+, AB^+	O^+, O^-
B^+	B^+, AB^+	B^+, B^-, O^+, O^-
AB^+	AB^+	Everyone
A^-	A^+, A^-, AB^+, AB^-	A^-, O^-
O^-	Everyone	O^-
B^-	B^+, B^-, AB^+, AB^-	B^-, O^-
AB^-	AB^+, AB^-	AB^-, A^-, B^-, O^-

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

महत्त्वपूर्ण दिवस

राष्ट्रीय पर्वतारोहण दिवस

चर्चा में क्यों?

- **प्रतिवर्ष 1 अगस्त को राष्ट्रीय पर्वतारोहण दिवस मनाया जाता है।**

मुख्य बिंदु :

- **यह पर्वतारोहण जैसे साहसी और रोमांचक खेल को सम्मान देने के लिए समर्पित है।**
- **पर्वतारोहियों के साहस, धैर्य और समर्पण को मान्यता देने हेतु यह दिवस मनाया जाता है।**

प्रसिद्ध पर्वतारोही:

- **एडमंड हिलेरी और तेनजिंग नोर्गे – वर्ष 1953 में माउंट एवरेस्ट फतह करने वाले पहले व्यक्ति बने।**
- **बछेंद्री पाल – वर्ष 1984 में माउंट एवरेस्ट पर चढ़ने वाली पहली भारतीय महिला बनी।**
- **अरुणिमा सिन्हा – कृत्रिम अंग के साथ माउंट एवरेस्ट फतह करने वाली विश्व की पहली महिला बनीं।**

प्रमुख पर्वतारोहण संस्थान:

- **नेहरू पर्वतारोहण संस्थान (NIM) – उत्तरकाशी।**
- **हिमालयन पर्वतारोहण संस्थान (HMI) – दार्जिलिंग।**
- **जवाहर इंस्टीट्यूट ऑफ माउंटेनियरिंग (JIM) – पहलगाम।**
- **अटल बिहारी वाजपेयी पर्वतारोहण एवं संबद्ध खेल संस्थान (ABVIMAS) – मनाली।**

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

खेल परिदृश्य

अंडर-17 विश्व कुश्ती चैंपियनशिप - 2025

➲ **चर्चा में क्यों?**

- **31 जुलाई, 2025 को एथेंस (ग्रीस) में आयोजित अंडर-17 विश्व कुश्ती चैंपियनशिप 2025 में भारतीय पहलवानों ने 2 स्वर्ण, 2 रजत और 1 कांस्य सहित कुल 5 पदक जीते।**

➲ **मुख्य बिंदु :**

स्वर्ण पदक :

- **रचना : महिलाओं की 43 किलोग्राम फ्रीस्टाइल श्रेणी में चीन की शिन हुआंग को हराकर भारत के लिए पहला स्वर्ण पदक जीता।**

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

- **अश्विनी विश्नोई :** अश्विनी विश्नोई ने 65 किलोग्राम वर्ग में उज़्बेकिस्तान की मुखय्यो राखिमजोनोवा को हराकर स्वर्ण पदक जीता।

रजत पदक :

- **मोनी :** 57 किग्रा वर्ग में कज़ाकिस्तान की मदखिया उस्मानोव से हारने के बाद रजत पदक जीता।
- **काजल :** 73 किग्रा वर्ग में चीन की वेनजिन किउ से हारने के बाद रजत पदक जीता।

कांस्य पदक :

- **कोमल वर्मा :** 49 किग्रा वर्ग में UWW की अनहेलिना बुर्किना को हराकर कांस्य पदक जीता।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

न्यूज़ इन शॉर्ट्स

क्र. सं.	न्यूज़
1.	**अपना घर पहल** ♦ हाल ही में, पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने ट्रक चालकों की सुरक्षा और सुविधा के लिए 'अपना घर' पहल शुरू की है। ♦ इसका उद्देश्य लंबी दूरी की यात्रा के दौरान ट्रक चालकों के लिए विश्राम स्थल उपलब्ध कराना है। ♦ सार्वजनिक क्षेत्र की तेल विपणन कंपनियों ने अब तक 368 'अपना घर' केंद्र स्थापित किए हैं। ♦ इन केंद्रों में कुल 4611 बिस्तर और अन्य सुविधाएँ उपलब्ध कराई गई हैं।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

2.

लेफ्टिनेंट जनरल पुष्पेंद्र सिंह

- हाल ही में, लेफ्टिनेंट जनरल पुष्पेन्द्र सिंह को थल सेना का उप-प्रमुख नियुक्त किया गया।
- लेफ्टिनेंट जनरल पुष्पेन्द्र सिंह का संबंध पैराशूट रेजिमेंट से हैं।
- वह लेफ्टिनेंट जनरल एनएस राजा सुब्रमणि का स्थान लेंगे।
- इन्होंने पवन, मेघदूत, रक्षक और ऑर्किड अभियानों में भाग लिया है।

3.

नौ नए भारतीय वाणिज्य दूतावास आवेदन केंद्र

- हाल ही में, अमेरिका में भारत के राजदूत विनय क्वात्रा ने संयुक्त राज्य अमेरिका में वाणिज्य दूतावास सेवाओं के विस्तार की घोषणा की है।
- इसके अंतर्गत 1 अगस्त, 2025 से बोस्टन, कोलंबस, डलास, डेट्रॉयट, एडिसन, ऑरलैंडो, रैले, सैन जोस और लॉस एंजिल्स शहरों में नौ नए भारतीय वाणिज्य दूतावास आवेदन केंद्र खोले जायेंगे।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

4. IT 2.0 एप्लिकेशन

- 31 जुलाई, 2025 को डाक विभाग ने अगली पीढ़ी का एडवांस पोस्टल टेक्नोलॉजी (APT) के IT 2.0 एप्लिकेशन लॉन्च किया।
- 4 अगस्त, 2025 को दिल्ली से इस पहल को 353 डाकघरों और 61 शाखा डाकघरों में लागू किया जाएगा।
- उन्नत डाक तकनीक एप्लीकेशन को उन्नत उपयोगकर्ता अनुभव, तीव्र सेवा वितरण और अधिक ग्राहक-अनुकूल इंटरफेस प्रदान करने के लिए डिज़ाइन किया गया है, जो स्मार्ट, कुशल और भविष्य के लिए तैयार डाक परिचालन प्रदान करेगा।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

5. म्यांमार में चुनाव हेतु आयोग का गठन

- 31 जुलाई, 2025 को म्यांमार की राष्ट्रीय रक्षा एवं सुरक्षा परिषद (NDSC) ने एक नई संघ सरकार और राज्य सुरक्षा एवं शांति आयोग का गठन किया।
- इस संघीय सरकार का नेतृत्व प्रधानमंत्री यू न्यो सॉ कर रहे हैं और राज्य सुरक्षा एवं शांति आयोग के अध्यक्ष वरिष्ठ जनरल मिन आंग ह्लाइंग हैं।
- फरवरी 2021 में, म्यांमार के तत्कालीन कार्यवाहक राष्ट्रपति यू म्यिंट स्वे ने एक साल के लिए आपातकाल की घोषणा की थी और रक्षा सेवाओं के कमांडर-इन-चीफ को संप्रभु सत्ता हस्तांतरित कर दी थी।

UTKARSH CLASSES उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

6.

प्रोफेसर मिशेल डोहर्टी

- हाल ही में, प्रोफेसर मिशेल डोहर्टी को ब्रिटेन की पहली महिला खगोलशास्त्री (रॉयल एस्ट्रोनॉमर) नियुक्त किया गया।
- यूनाइटेड किंगडम के 350 वर्ष के इतिहास में यह प्रतिष्ठित उपाधि पाने वाली पहली महिला बन गई हैं।
- **रॉयल एस्ट्रोनॉमर :** एक मानद पद है जिसकी शुरुआत वर्ष 1675 में हुई थी।
- **उद्देश्य :** ब्रिटेन की राजशाही को खगोलीय मामलों पर सलाह देना और अंतरिक्ष एवं विज्ञान में जनहित को बढ़ावा देना।
- प्रोफेसर डौहर्टी के नेतृत्व में नासा के कैसिनी मिशन ने शनि के चंद्रमा एन्सेलाडस से जल वाष्प के जेट निकलने की खोज की थी, जो चंद्रमा संभावित रूप से जीवन का समर्थन करती है।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

7.

हरित हाइड्रोजन संयंत्र : कांडला बंदरगाह

- 31 जुलाई, 2025 को केंद्रीय पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्री ने कांडला स्थित दीनदयाल पत्तन प्राधिकरण (DPA) में 1 मेगावाट के हरित हाइड्रोजन विद्युत संयंत्र का उद्घाटन किया।
- यह संयंत्र सालाना लगभग 140 मीट्रिक टन हरित हाइड्रोजन का उत्पादन करने में सक्षम है और समुद्री कार्बन उत्सर्जन में कमी लाने और स्थायी बंदरगाह संचालन हेतु महत्त्वपूर्ण है।

8.

न्याय बंधु कानूनी सहायता कार्यक्रम

- 31 जुलाई, 2025 को विधि एवं न्याय राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) ने राज्य सभा में 'न्याय बंधु कानूनी सहायता कार्यक्रम' के संदर्भ में जानकारी साझा की।
- न्याय बंधु (प्रो बोनो लीगल सर्विस) "न्याय तक समग्र पहुंच के लिए अभिनव समाधान तैयार करना" (DISHA) योजना के तहत कार्यक्रमों में से एक है।
- इसे न्याय विभाग द्वारा कार्यान्वित किया जा रहा है।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR